आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 155 | उज्जैन, सोमवार 28 अप्रैल 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

हमारे देश की पहचान सिंधु घाटी से जुड़ी है-मुख्यमंत्री

सिंधी समाज ने संघर्ष और चुनौतियों का सामना करते हुए स्वयं को पुनः स्थापित किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारे देश की पहचान सिंधु घाटी सभ्यता और सिंधु नदी से जुड़ी है। प्राचीन काल में विकसित सिंधु घाटी सभ्यता आज भी पूरे देश को गौरवान्वित करती है। सम्राट दाहिर सेन का अपनी धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए संघर्ष आज भी हमें प्रेरणा और साहस प्रदान करता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए समर्पित और प्रतिबद्ध हैं।

भोपाल, संत हिरदाराम की पुण्य भूमि है, संत परम्परा के अनुसार हम जियो और जीने दो के सिद्धांत में विश्वास करते हुए प्राणी मात्र से प्रेम के भाव का व्यवहार में भी निवर्हन करते हैं। सिंधी समाज ने इन मूल्यों का पालन करते हुए अपने धर्म और संस्कृति की सरक्षा के लिए अपना घर-परिवार और व्यापार छोड़ा। संघर्ष और चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी कर्मठता और आत्मविश्वास से उन्होंने स्वयं को पुनः स्थापित भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंधु भवन में आयोजित चेतीचांद महोत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक श्री भगवान दास सबनानी ने की। इस अवसर पर मध्यप्रदेश सिन्धु भवन ट्रस्ट के पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपनी क्षमता, योग्यता और निरंतर मेहनत से सिंधी समाज ने व्यापार और उद्योग जगत में कई उपलब्धियां अर्जित की हैं। राज्य सरकार प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों और स्थानीय स्तर पर उद्यमिता के विस्तार के लिए प्रतिबद्ध है, और इस दिशा में निरंतर हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उद्योग स्थापना और व्यापारिक गतिविधियों के संचालन के लिए नीतियों और प्रकियाओं को सरल और सुगम किया गया है। प्रदेश में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। व्यापार और उद्योग रोजगार उपलब्ध कराने का प्रमुख माध्यम है। अन्य राज्यों तथा विदेश से भी निवेश के लिए उद्योगपतियों और व्यापारियों को आमंत्रित किया जा रहा है।

ईरान और यूएई के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी से फोन पर की बात, पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से टेलीफोन पर बात कर जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। दोनों ने पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

सभी लोगों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक साथ खड़ा होना चाहिए- दोनों ने इस बात पर सहमति जताई कि इस तरह के आतंकी हमलों को उचित नहीं ठहराया जा सकता और मानवता में विश्वास रखने वाले सभी लोगों को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक साथ खड़ा होना चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कही ये बात- इस दौरान प्रधानमंत्री ने भारत के लोगों के गुस्से और पीड़ा को साझा किया। पीएम ने आतंकी हमले के पीछे के लोगों और उनके समर्थकों से दृढ़ता से निपटने के अपने संकल्प को भी साझा किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट कर इसकी पुष्टि की है।

इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को मिस्त्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती से टेलीफोन पर बातचीत की।

पहलगाम हमले के बाद एक्शन मोड में एनआईए, चश्मदीदों से हर मिनट की डिटेल लेकर जुटाए जा रहे सबूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्रालय ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की जांच एनआईए को सौंपी है। एनआईए की टीम घटना से जुड़े हर एक पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है। एक-एक कड़ियों को जोड़ा जा रहा है और चश्मदीदों से पूछताछ की जा रही है।

एएनआई के एक आईजी, डीआईजी और एसपी के नेतृत्व में टीमें उन चश्मदीदों से पूछताछ कर रही हैं, जिन्होंने 22 अप्रैल को हुए हमले को देखा था। उनसे घटना मिनटवार विवरण लिया जा रहा है। बता दें कि घटना पहलगाम स्थित बैसरन घास के मैदान में दोपहर के वक्त हुई थी।

एनआईए जोड़ रही कड़ियां- एनआईए ने बयान में कहा, जांच कर रही टीमें आतंकवादियों के सुराग के लिए एंट्री और एग्जिट पॉइंट की बारीकी से जांच कर रही हैं। फोरेंसिक और अन्य विशेषज्ञों की सहायता से टीमें आतंकी साजिश को उजागर करने के लिए सबूतों की तलाश में पूरे इलाके की गहन जांच कर रही हैं।

पाकिस्तान से तनाव के बीच इंडियन नेवी कर रही युद्धाभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम हमले के बाद भारत पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन की तैयारी में है। पाकिस्तान से इस तनातनी के बीच भारतीय नौसेना युद्धाभ्यास में जुटी है। रविवार को अधिकारियों ने बताया कि नौसेना ने लंबी दूरी के सटीक हमलों के लिए अपनी तत्परता को फिर से प्रमाणित करने के लिए जहाज-रोधी फायरिंग को अंजाम दिया।

नौसेना की तरफ से ये फायरिंग अभ्यास भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच किया जा रहा है। इसके पहले आईएएस सूरत से हाइपरसोनिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया। वहीं चर्चा इस बात की भी है कि पाकिस्तान भी एक नई मिसाइल का परीक्षण कर सकता है।

नौसेना ने दी जानकारी- भारतीय नौसेना के एक अधिकारी ने कहा, भारतीय नौसेना के जहाजों ने लंबी दूरी के सटीक आक्रामक हमले के लिए प्लेटफॉर्म, सिस्टम और चालक दल की तत्परता को फिर से प्रमाणित करने और प्रदर्शित करने के लिए कई जहाज-रोधी फायरिंग को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

उन्होंने कहा, भारतीय नौसेना किसी भी समय, कहीं भी और किसी भी तरह से देश के समुद्री हितों की रक्षा करने के लिए तैयार है। पाकिस्तान ने अरब सागर में नो-फ्लाई जोन घोषित किया हुआ है।

निर्दोष को न भुगतना पड़े खामियाजा, सावधानी से लीजिए काम; केंद्र से बोलीं महबूबा मुफ्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में सक्रिय आतंकी तंत्र के खिलाफ सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया। इस बीच, पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि केंद्र को सावधानी से कदम उठाना चाहिए ताकि निर्दोष लोगों को इसका खामियाजा न भुगतना पड़े। मुफ्ती ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'भारत सरकार को हाल में पहलगाम हमले के बाद सावधानी से काम लेना चाहिए और आतंकवादियों व नागरिकों के बीच अंतर करना चाहिए।' उन्होंने कहा कि सरकार को यह ध्यान रखना चाहिए कि आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान निर्दोष लोगों, खासकर आतंकवाद का विरोध करने वाले किसी भी तरह से प्रभावित न हों। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि सरकार से अपील है कि वह अधिकारियों को निर्देश दे कि वे इस बात का ध्यान रखें कि निर्दोष लोगों को इसका खामियाजा न भुगतना पड़े। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद सरकार की ओर से शुरू की गई कार्रवाई का जिक्र करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, 'हजारों लोगों को गिरफ्तार किए जाने और आतंकवादियों के साथ-साथ आम कश्मीरियों के भी मकानों को ध्वस्त किए जाने की खबरें हैं।' दक्षिण कश्मीर में पहलगाम के निकट मिनी स्विट्जरलैंड कही जानी वाली बैसरन घाटी में मंगलवार दोपहर आतंकवादियों ने गोलीबारी की, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।

जिस बैंक में हुआ था नीरव मोदी वाला 13 हजार करोड़ का घोटाला, कैफे में बदल गई ब्रांच

नई दिल्ली (एजेंसी)। हीरा कारोबारी नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी से जुड़े करोड़ों डॉलर के घोटाले के लिए बदनाम पंजाब नेशनल बैंक की मुंबई स्थित ब्रैडी हाउस शाखा को एक कैफे में बदल दिया गया है। अब परिसर में ग्राहक आरामदायक कुर्सियों और आलीशान सोफे पर बैठकर और बैकग्राउंड में बज रहे हल्के संगीत के साथ गर्म जैविक कॉफी का आनंद लेते हैं। यह उस अराजकता के बिल्कुल विपरीत है जो उस समय फैली थी, जब दोनों ने बैंक को 13,000 करोड़ रुपए से अधिक का चूना लगाया था।

क्या है सचेत ऐप? पीएम मोदी ने मन की बात में क्यों किया इसका जिक्र? गिनाए इस्तेमाल के फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम को संबोधित किया। पीएम मोदी ने इसकी शुरुआत भी पहलगाम हमले से की, जिसके बाद उन्होंने ISRO के महान वैज्ञानिक डॉ. कस्तूरीरंगन के निधन पर शोक व्यक्त किया। इसी कड़ी में पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील की कि सभी अपने फोन में सचेत ऐप जरूर रखें।

पिछले महीने म्यांमार में आए भूकंप का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि भारतीय बचाव टीम ने ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत म्यांमार और थाईलैंड में कई लोगों को मलबे से बाहर निकाला। भारत में ऐसी प्राकृतिक आपदाओं से बचने के लिए सचेत ऐप लॉन्च किया गया है।

मन की बात के 121वें एपिसोड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा - प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में आपकी सतर्कता, आपका सचेत रहना आवश्यक है। इसके लिए आपको अपने फोन में एक स्पेशल ऐप की मदद मिल सकती है। इसका नाम सचेत ऐप है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने इस ऐप को तैयार किया है।

आपदाओं से करेगा सावधान- मन की बात कार्यक्रम के दौरान सचेत ऐप के फायदे गिनाते हुए पीएम मोदी ने बताया कि बाढ़, चक्रवात, सुनामी, जंगलों में आग, हिमस्खलन, आंधी, तूफान और बिजली गिरने जैसी आपदाओं से पहले सचेत ऐप आपको सूचित कर देगा। यह ऐप क्षेत्रीय भाषाओं में भी जानकारी देता है।

मौसम से जुड़ी जानकारी- पीएम मोदी ने कहा कि सचेत ऐप के माध्यम से मौसम से जुड़ी जानकारी भी ली जा सकती है। मौसम विभाग के सभी बड़े अपडेट इस ऐप में देखने को मिल जाएंगे। पीएम मोदी ने सभी देशवासियों से अपील की है कि इस ऐप का इस्तेमाल करें और जो भी अनुभव हो उसे हमारे साथ जरूर साझा करें।

क्या है सचेत ऐप- बता दें कि सचेत ऐप को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने लॉन्च किया था। इस ऐप पर यूजर की करंट लोकेशन के हिसाब से अलर्ट मिलता है। यह ऐप आपके राज्य और जिले में आने वाली प्राकृतिक आपदाओं के बारे में यूजर्स को सूचित करता है। साथ ही इस पर भारतीय मौसम विभाग की ताजा मौसम अपडेट भी मौजूद रहती है।

ईरान के बंदरगाह पर किस वजह से हुआ धमाका? ब्लास्ट में 20 से अधिक की मौत और 750 घायल

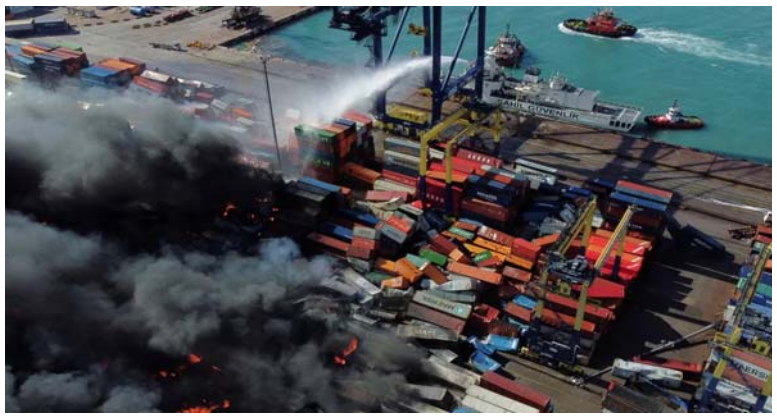

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी ईरान के होर्मोजगन प्रांत के बंदर अब्बास शहर में शाहिद राजाई बंदरगाह पर शनिवार को हुए भीषण विस्फोट में 20 से अधिक लोगों की की मौत हो गई और 750 से अधिक घायल हो गए।

आखिर कैसे हुआ विस्फोट, पता लगाया जा रहा है- माना जा रहा है कि यह विस्फोट कथित तौर पर मिसाइल प्रोपेलेंट बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रासायनिक पदार्थ की शिपमेंट से जुड़ा हुआ है। लेकिन, ईरान में किसी ने भी सीधे तौर पर यह नहीं कहा है कि क्या यह विस्फोट किसी हमले की वजह से हुआ।

विस्फोट से आसपास की इमारतों और कारों को भारी नुकसान- विस्फोट से आसमान में धुएं का एक बड़ा गुबार फैल गया और आसपास की इमारतों और कारों को भारी नुकसान पहुंचा। विस्फोट शनिवार को उस समय हुआ जब ईरान और अमेरिका के अधिकारी तेहरान के तेजी से आगे बढ़ते परमाणु कार्यक्रम पर तीसरे दौर की वार्ता के लिए ओमान में मिले।

हालांकि, वार्ता का नेतृत्व कर रहे ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने भी बुधवार को स्वीकार किया था कि पिछले उदाहरणों को देखते हुए हमारी सुरक्षा सेवाएं हाई अलर्ट पर हैं।

बहरहाल, घायलों को पास के चिकित्सा केंद्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है। पड़ोसी फार्स प्रांत की राजधानी शिराज में 90 बिस्तरों वाले अस्पताल को भी इस घटना में संभावित रूप से घायलों के भर्ती होने के लिए तैयार रखा गया है।

विस्फोट में तीन चीनी नागरिकों को मामूली चोटें आईं- बंदर अब्बास में चीन के महावाणिज्य दूतावास के अनुसार, विस्फोट में तीन चीनी नागरिकों को मामूली चोटें आईं। चिकित्सा उपचार मिलने के बाद अब वे अच्छी स्थिति में हैं।

क्या था विस्फोट का कारण- जानकारी के अनुसार, ईरान के संकट प्रबंधन संगठन के प्रवक्ता हुसैन ज़ाफ़री ने विस्फोट के लिए शाहिद राजाई में रसायनों के कंटेनरों में खराब भंडारण को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए बताया कि कंटेनरों के अंदर मौजूद रसायन के कारण ये विस्फोट हुआ था। बता दें कि इस विसफोट के कारण दूर तक घुएं का गुबार देखने को मिला। सैकड़ों की संख्या में लोग इस घटना में घायल हुए हैं। घायलों का अस्तपाताल में उपचार चल रहा है।

भारत की कार्रवाई से सहम गया पाकिस्तान, सभी रेलवे स्टेशन पाक आर्मी को सौंपे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की जवाबी कार्रवाई की आशंका से सहमे पाकिस्तान ने देशभर के रेलवे स्टेशनों को सेना को सौंप दिया है और सभी स्टेशनों पर सैनिक डेस्क स्थापित किए गए हैं।

देश के सभी रेलवे स्टेशनों का नियंत्रण पाकिस्तानी सशस्त्र बलों को सौंप दिया- पाकिस्तान के रेल मंत्री हनीफ अब्बासी ने शनिवार को बताया कि देश के सभी रेलवे स्टेशनों का नियंत्रण पाकिस्तानी सशस्त्र बलों को सौंप दिया गया है। आवश्यकता पड़ने पर सैन्य उपकरणों के परिवहन की व्यवस्था भी पूरी कर ली गई है।

इसके साथ ही पाकिस्तान ने दवा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन कदम उठाने शुरू कर दिए हैं।

सभी रेलवे स्टेशनों पर सैनिक डेस्क स्थापित- हनीफ अब्बासी ने कहा कि सभी रेलवे स्टेशनों पर सैनिक डेस्क स्थापित कर दिए गए हैं। पाकिस्तान रेलवे का सारा सामान अब पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के अधीन है।

अब हमारी रसद पाकिस्तानी सशस्त्र बलों के नियंत्रण में है। अब वे टैंक, भारी हथियार और तोपें ले जाने के लिए रेलवे का उपयोग कर सकते हैं। पाकिस्तान रेलवे के हमारे सभी अधिकारी, सभी स्टेशन और हर परिसर जरूरत पड़ने पर सशस्त्र बलों के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित- प्रेट्र के अनुसार, पाकिस्तानी स्वास्थ्य अधिकारियों ने भारत के साथ व्यापार संबंधों के निलंबन को देखते हुए दवा आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए आपातकालीन उपाय शुरू किए हैं। पहलगाम आतंकी हमले के बाद सिंधु जल संधि को निलंबित करने के भारत के फैसले के जवाब में इस्लामाबाद ने गुरुवार को नई दिल्ली के साथ सभी व्यापार स्थगित कर दिया।

पाकिस्तान दवा के कच्चे माल के लिए भारत पर निर्भर- जियो न्यूज ने बताया कि भारत के साथ व्यापार रुकने से पाकिस्तान में दवा की जरूरतों को पूरा करने के लिए आपातकालीन तैयारी शुरू हो गई है। वर्तमान में पाकिस्तान दवा निर्माण में उपयोग किए जाने वाले 30 से 40 प्रतिशत कच्चे माल के लिए भारत पर निर्भर है।

पोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़, 2 लाख से अधिक लोग वेटिकन पहुंचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोप फ्रांसिस को शनिवार को लाखों लोगों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी। अंतिम संस्कार में करीब ढाई लाख लोग एकत्र हुए। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सहित कई गणमान्य ने श्रद्धांजलि दी।

इस दौरान अन्य राष्ट्राध्यक्षों में अर्जेंटीना, फ्रांस, जर्मनी, फिलीपींस और पोलैंड के राष्ट्रपति, ब्रिटेन और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री और स्पेन के राजा और रानी सहित कई शाही परिवार के सदस्य शामिल थे। इसके अतिरिक्त 100 से अधिक प्रतिनिधिमंडल एकत्रित हुए।

सड़कों पर खड़े थे लाखों लोग- अंतिम संस्कार के दौरान वेटिकन में 250 कार्डिनल्स, 400 बिशप और 4,000 पादरी उपस्थित थे। फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। पोप फ्रांसिस का अंतिम संस्कार सेंट पीटर्स स्क्वायर पर संपन्न हुआ। उन्हें श्रद्धांजलि देने रोम की सड़कों पर लाखों लोग खड़े थे। फ्रांसिस के ताबूत को सेंट मैरी मेजर बेसिलिका तक ले जाया गया। फ्रांसिस को हाल की परंपरा से हटकर रोम के मुख्य रेलवे स्टेशन के पास सेंट मैरी मेजर बेसिलिका में दफनाया गया। उन्हें एक साधारण कब्र में दफनाया गया।

पानी के बाद पाकिस्तान में पड़ेगा दवाइयों का अकाल! व्यापार बंद होने के बाद पाक को सताने लगा नया डर

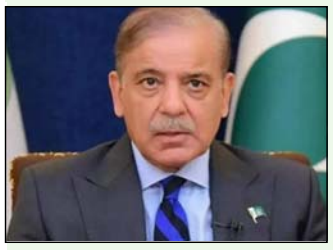

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकी हमले पर भारत की सख्त प्रतिक्रिया के बाद पाकिस्तान ने भी ताव में आकर कई फरमान सुना दिए। पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइंस के लिए अपना एयर स्पेस बंद करने के अलावा भारत के साथ चल रहे थोड़े-बहुत व्यापार पर भी रोक लगा दी। हालांकि अब पाकिस्तान को अपने इस फैसले की भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत से व्यापार पूरी तरह बंद करने के बाद पाकिस्तान के फार्मास्यूटिकल क्षेत्र को बड़ा झटका लग सकता है। पाकिस्तान के कई स्वास्थ्य अधिकारियों ने दवा आपूर्ति को सुरक्षित रखने के लिए अभी से इमरजेंसी प्लान बनाना शुरू कर दिया है।

जियो न्यूज की मानें तो भारत के साथ व्यापार निलंबित करने के बाद पाकिस्तान ने दवा की जरूरतों को पूरा करने का उपाय ढूंढना शुरू कर दिया है। दवाइयों की आपूर्ति करने के लिए पाकिस्तानी अधिकारी आपातकालीन तैयारी कर रहे हैं।

पाकिस्तान के ड्रग विनियामक प्राधिकरण ने भी इसकी पुष्टि की है। बेशक इसे लेकर कोई औपचारिक नोटिस जारी नहीं किया गया है, लेकिन भारत से व्यापार बंद करने पर पाकिस्तान में दवाइयों की कमी हो सकती है।

रेगिस्तान में बदल जाएगा इलाका, हम भूख से मर जाएंगे, सिंधु जल समझौता खत्म होने के बाद रो रहा पूरा पाकिस्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सिंधु जल समझौते से खुद को अलग कर लिया है। आजादी के बाद से अब तक भारत और पाकिस्तान के बीच तीन युद्ध हुए, लेकिन सिंधु जल समझौता जारी रहा। लेकिन आतंकवाद को पालने-पोसने वाला पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आया।

अब जब भारत ने खुद को समझौते से अलग कर लिया है, तो पाकिस्तान हमेशा की तरह गीदड़भभकी पर उतर आया है। पाकिस्तान ने कहा है कि वह भारत के इस कदम को युद्ध के पहल की तरह देखेगा। लेकिन ऐसा नहीं है कि सिर्फ पाकिस्तान की सरकार ही डरी हुई है। पाकिस्तान के लोग भी खौफ में हैं।

पाकिस्तान में पसरा डर- न्यूज एजेंसी रॉयटर्स से बातचीत में बातचीत में पाकिस्तानी किसान होमला ठाकुर ने अपनी फसलों के भविष्य को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि नदी का जलस्तर काफी कम हो गया है। सब्जियां सूख रही हैं। किसान ने कहा कि अगर भारत पानी रोक देगा, तो पूरा देश थार रेगिस्तान में बदल जाएगा। हम भूख से मर जाएंगे। पाकिस्तानी सरकार के रिएक्शन पर यू.के. कंसल्टिंग फर्म ऑक्सफोर्ड पॉलिसी मैनेजमेंट के अर्थशास्त्री और टीम लीडर वकार अहमद ने कहा कि पाकिस्तान ने भारत के संधि से अलग होने के खतरे को कम करके आंका है।

पानी रोकने पर काम कर रहा भारत- बता दें कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने कहा है कि हम सुनिश्चित करेंगे कि सिंधु नदी का एक भी बूंद पानी पाकिस्तान तक न पहुंचे। नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने बताया कि कुछ ही महीनों में नहरों का उपयोग करके भारत अपने खेतों की तरफ पानी को मोड़ देगा।

यूनुस का भी शेख हसीना जैसा हाल करेंगे, हिफाजत-ए-इस्लाम ने क्यों दी बांग्लादेश सरकार को चेतावनी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी संगठन हिफाजत-ए-इस्लाम ने धमकी देते हुए कहा है कि अगर महिला मामलों के सुधार आयोग द्वारा किए गए प्रस्तावों को अमल में लाया गया तो अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस का भी वही हश्र होगा जो पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का हुआ था।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, देश भर में आयोजित विभिन्न विरोध रैलियों और जुलूसों में इस्लामी संगठन ने अंतरिम सरकार को यह चेतावनी दी और आयोग के प्रस्तावों को इस्लाम विरोधी करार दिया। आयोग को समाप्त करने की मांग कर रहे हिफाजत नेता ने घोषणा की कि संगठन तीन मई को ढाका के सुहरावर्दी उद्यान में एक सामूहिक रैली आयोजित करेगा।

कट्टरपंथी इस्लामी संगठन ने निकाली विरोध रैली- द बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार को संगठन ने चटगांव के अंदरकिल में एक विरोध रैली और जुलूस भी आयोजित किया। बाद में, नारायणगंज में चशारा सेंट्रल शहीद मीनार में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए हिफाजत के संयुक्त महासचिव मामुनुल हक ने कहा कि महिला सुधार आयोग ने यह कहकर इस्लामी कानून के प्रति पूर्ण अवहेलना दिखाई है कि धार्मिक और सामाजिक मानदंड ही देश में महिलाओं के खिलाफ भेदभाव का मुख्य कारण हैं। एक अन्य कट्टर इस्लामी राजनीतिक दल खिलाफत मजलिस के महासचिव अहमद अब्दुल कादर ने कहा कि आयोग ने सभी धर्मों की महिलाओं के लिए एक समान पारिवारिक कानून प्रस्तावित किया है - जिसमें विवाह, तलाक, विरासत और भरण-पोषण शामिल है।

यूक्रेन के खिलाफ जंग लड़ रही उत्तर कोरिया की सेना, रूस के दावे ने मचाई सनसनी; ट्रंप ने पुतिन पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को दावा किया कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र से यूक्रेनी सेना को आखिरी गांव गोरनल से खदेड़ दिया गया है। साथ ही रूस ने पहली बार इसकी पुष्टि की है कि उत्तर कोरियाई सैनिक कुर्स्क में रूसी सैनिकों के साथ लड़ रहे हैं।

सेना के जनरल स्टाफ के प्रमुख ने यूक्रेनियों को बाहर निकालने में मदद करने के लिए उनकी वीरता की प्रशंसा की। हालांकि, कीव ने रूस के दावे से इन्कार किया है। कीव के अधिकारियों ने कहा हे कि वे अब भी यूक्रेन की सीमा से लगे एक अन्य रूसी क्षेत्र बेलगोरोड में मौजूद हैं।

उत्तर कोरिया के 14 हजार सैनिक आए थे- यूक्रेनी सेना ने पिछले अगस्त में कुर्स्क क्षेत्र में एक बड़े क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। उत्तर कोरियाई सैनिकों की मदद से रूसी सेना उन्हें बाहर निकालने की कोशिश कर रही थी। पुतिन ने कहा कि रूसी धरती से यूक्रेनी सेना के निष्कासन ने यूक्रेन के अंदर आगे की रूसी सफलताओं का रास्ता खोल दिया है।

यूक्रेनी अधिकारियों ने कहा कि उत्तर कोरिया ने कुल 14,000 सैनिकों को भेजा था। ओवल आफिस में नोकझोंक के बाद पहली बार ट्रंप और जेलेंस्की ने की वार्तापोप फ्रांसिस के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सेंट पीटर बेसिलिका में एक संक्षिप्त बैठक की।

कितने पकिस्तानियों ने छोड़ा भारत? अब तक 600 से ज्यादा भारतीय आए वापस

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले दो दिनों में अटारी-वाघा बॉर्डर के माध्यम से करीब 272 पाकिस्तानी नागरिक भारत छोड़कर जा चुके हैं। एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को 100 और लोग इसी रास्ते से पाकिस्तान जा सकते हैं।

तो वहीं, पंजाब में स्थित अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से पाकिस्तान से अभी तक 13 राजनयिकों और अधिकारियों सहित 629 भारतीय नागरिक वापस आ चुके हैं।

बता दें, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ों नोटिस जारी किया था और भारत छोड़ने की अंतिम तिथि 27 अप्रैल थी। मेडिकल वीजा में भारत आए लोगों के लिए अंतिम तिथि 29 अप्रैल है।

हालांकि, दीर्घकालिक और राजनयिक या आधिकारिक वीजा रखने वालों को भारत छोड़ो आदेश से छूट दी गई है। अधिकारियों के अनुसार, 25 अप्रैल को 191 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से भारत से चले गए थे और 26 अप्रैल को 81 और बाहर निकल गए।

कुछ पाकिस्तानी विमानों के जरिए भी चले गए- अधिकारियों ने बताया कि 25 अप्रैल को 287 भारतीय पाकिस्तान से भारत आए और 26 अप्रैल को 13 राजनयिकों और अधिकारियों समेत कुल 342 भारतीय अटारी-वाघा सीमा के जरिए पाकिस्तान से लौटे। उन्होंने बताया कि कुछ पाकिस्तानी हवाईअड्डों के जरिए भी भारत से चले गए होंगे। उन्होंने बताया कि चूंकि भारत का पाकिस्तान के साथ सीधा हवाई संपर्क नहीं है, इसलिए वे अन्य देशों से होते हुए चले गए होंगे।

कर्नाटक के कलबुर्गी में मुठभेड़, एटीएम लूटने वाले दो लुटेरों को लगी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलबुर्गी में दो सप्ताह पहले एटीएम लूटने वाले हरियाणा के दो लुटेरों को शनिवार तड़के मुठभेड़ में पैरों में गोली मारने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि लुटेरों की पहचान तस्लीम और शरीफ के रूप में हुई है। वे हरियाणा के मेवात के रहने वाले हैं और मेवात गिरोह के सदस्य हैं।

आरोपितों ने गैस कटर का उपयोग करके 18 लाख रुपये चुराए

कलबुर्गी के पुलिस आयुक्त शरणप्पा एसडी ने कहा कि पुलिस ने गिरोह के सदस्यों पर गोलियां चलाईं, जो एसबीआइ एटीएम डकैती में शामिल थे। आरोपितों ने गैस कटर का उपयोग करके 18 लाख रुपये चुराए थे।

पुलिस अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया, दिल्ली पंजीकरण वाली एक संदिग्ध कार के बारे में सूचना मिलने पर पुलिस ने वाहन का पता लगाया और उसे रोकने का प्रयास किया।

पुलिस ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं - जब संदिग्धों ने सरेंडर करने के बजाय अधिकारियों पर हमला किया, तो पुलिस ने आत्मरक्षा में गोलियां चलाईं, जिससे दो संदिग्ध, तस्लीम और शरीफ के पैरों में गोली लगी।

भारत को हमारा पूरा समर्थन, पहलगाम आतंकी हमले पर FBI निदेशक काश पटेल ने और क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आंतकी हमले की पूरी दुनिया में थू-थू हो रही है। कई देशों ने आतंक के खिलाफ इस लड़ाई में भारत का साथ देने का भरोसा दिलाया है। इस लिस्ट में स्वच्छ निदेशक काश पटेल का नाम भी जुड़ चुका है। काश पटेल का कहना है कि अमेरिका, भारत का पूरा साथ देगा।

काश पटेल ने पहलगाम हमले को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने आतंकवाद की कड़ी निंदा की है।

एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए काश पटेल ने लिखा कि कश्मीर आतंकी हमले के सभी पीड़ितों के प्रति स्वच्छ संवेदना व्यक्त करता है। हम भारत सरकार को अपना पूरा समर्थन देंगे। यह हमला दुनिया को याद दिलाता है कि आतंकवाद कितना खतरनाक है। पीड़ितों के लिए प्रार्थना करें।

ट्रंप ने की थी निंदा- बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की जान चली गई। 22 अप्रैल 2025 की सुबह आतंकियों ने पहलगाम की बैसरन घाटी में मौजूद पर्यटकों पर हमला बोला था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत दुनिया के कई बड़े देश इस हमले की निंदा कर चुके हैं।

पीएम मोदी से की थी फोन पर बात - पहलगाम आतंकी हमले के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बात की थी।

पहलगाम हमले के बाद देश विरोधी कमेंट करने वालों पर ताबड़तोड़ एक्शन, विधायक से लेकर शिक्षक तक गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद देश विरोधी टिप्पणी करने वाले करीब 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार किए इन लोगों में विधायक, पत्रकार, छात्र और वकील शामिल हैं। ये सभी गिरफ्तारियां पूर्वोत्तर के 3 राज्यों से असम, मेघायल और त्रिपुरा में हुई हैं।

बता दें कि सबसे पहले ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट के विधायक अमीनुल इस्लाम की गिरफ्तारी हुई थी। अमीनुल ने 2019 के पुलवामा हमले और हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को सरकार की साजिश बताया था। उन पर देशद्रोह का आरोप लगाकर 4 दिन की कस्टडी में भेजा गया है।

कई लोग हुए गिरफ्तार- असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि हम सभी सोशल मीडिया पोस्ट की जांच कर रहे हैं और जो लोग हमें राष्ट्र विरोधी लगते हैं उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। भारत और पाकिस्तान में कोई समानता नहीं है। दोनों देश दुश्मन देश हैं और हमें ऐसे ही रहना चाहिए।

पूर्वोत्तर में हुई 19 गिरफ्तारियों में अकेले असम में 14 हुई हैं। हैलाकांडी से पत्रकार मोहम्मद जाबिर हुसैन, सिलचर से कंप्यूटर साइंस के छात्र मोहम्मद एके बहाउद्दीन और वकील मोहम्मद जावेद मजूमदार, मोरीगांव से मोहम्मद महाहर मिया, करीमगंज से मोहम्मद मुस्ता अहमद उर्फ साहेल और शिवसागर से मोहम्मद साहिल अली को भी गिरफ्तार किया गया।

वहीं त्रिपुरा में भी 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इसमें धलाई जिले के रिटायर्ड टीचर जवाहर देबनाथ और धर्मनगर से रिटायर्ड टीचर सजल चक्रवर्ती शामिल हैं। मेघालय में साइमन शायला को पूर्वी खासी हिल्स जिले से गिरफ्तार किया गया। इस सभी पर भारत विरोधी टिप्पणियां करने का आरोप है।

ऑफिस आने-जाने में कितना वक्त लगाते हैं प्रोफेशनल्स? इस दिन सबसे ज्यादा दफ्तर जाते हैं लोग; रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु, हैदराबाद और नेशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर) में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स में काम करने वाले हजारों प्रोफेशनल्स रोजाना दफ्तर पहुंचने में एक तरफ का सफर औसतन 45 से 55 मिनट का तय करते हैं। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, इसका मतलब है कि कोई भी कर्मचारी अपनी जिंदगी का लगभग 5 प्रतिशत वक्त सिर्फ सफर में गुजार देता है।

सेक्टर और शहर के हिसाब से बदलता है सफर का समय- MoveInSync की पहली तिमाही की रिपोर्ट बताती है कि बेंगलुरु में प्रोफेशनल्स औसतन 15 किलोमीटर का सफर 50 मिनट में तय करते हैं। खुदरा क्षेत्र के कर्मचारियों को सबसे ज्यादा यानी लगभग 54 मिनट का समय लगता है, वहीं IT सेक्टर में काम करने वालों का सफर कुछ कम, करीब 46 मिनट में पूरा हो जाता है।

हैदराबाद में कर्मचारी औसतन 16 किलोमीटर का रास्ता 45 मिनट में तय करते हैं। यहां भी रिटेल सेक्टर के लोग सबसे ज्यादा वक्त तकरीबन 54 मिनट सफर में बिताते हैं।

एनसीआर में सफर और भी लंबा, हेल्थ केयर वर्कर को सबसे ज्यादा दिक्कत - दिल्ली, गुरुग्राम, नोएडा और फरीदाबाद समेत एनसीआर में सफर का औसत वक्त 55 मिनट है, जिसमें कर्मचारी लगभग 22 किलोमीटर का फासला तय करते हैं। हेल्थकेयर क्षेत्र में काम करने वाले प्रोफेशनल्स को सफर में सबसे ज्यादा दिक्कत होती है, कई बार उन्हें ऑफिस पहुंचने में एक घंटे से भी ज्यादा वक्त लग जाता है।

भले ही हाइब्रिड वर्क मॉडल के चलते दफ्तर आने-जाने के दिन घटे हैं, लेकिन सफर का समय अब भी पेशेवरों के लिए चिंता का सबब बना हुआ है।

कितने दिन ऑफिस आते हैं कर्मचारी- बेंगलुरु और हैदराबाद में प्रोफेशनल्स आमतौर पर हफ्ते में दो से तीन दिन ऑफिस आते हैं, जबकि एनसीआर में थोड़ा ज़्यादा तीन से चार दिन हाज़िरी दी जाती है।

अदनान सामी ने पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी को लगाई लताड़, नागरिकता पर सवाल उठाने पर कर दी बोलती बंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। इस बीच अदनान सामी ने पाकिस्तान के पूर्व सूचना एवं प्रसारण मंत्री चौधरी फवाद हुसैन पर निशाना साधा है, जिन्होंने गायक-संगीतकार की नागरिकता पर सवाल उठाए थे।

इस सप्ताह की शुरूआत में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने हमला किया था, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को अपने वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले देश छोड़ना होगा और 27 अप्रैल अंतिम तिथि है।

फवाद चौधरी का कमेंट- चौधरी फवाद हुसैन ने शनिवार को एक भारतीय पत्रकार द्वारा एक्स पर लिखी गई एक पोस्ट को साझा किया, जिसमें केंद्र सरकार द्वारा पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए कहने के बारे में बताया गया था और इसके साथ कैप्शन में लिखा था, अदनान सामी के बारे में क्या?

लंदन में जन्मे सामी, जिन्हें दिसंबर 2015 में भारतीय नागरिकता प्रदान की गई थी, उन्होंने हुसैन की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, इस अनपढ़ बेवकूफ को कौन बताएगा!! हुसैन ने गायक की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, हमारे अपने लाहौरी अदनान सामी ऐसे लग रहे हैं जैसे बालों से हवा निकल चुकी है, जल्दी ठीक हो जाओ @AdnanSamiLive (sic)

अदनान सामी ने दिया जवाब- हुसैन की इस बात का जवाब देते हुए सिंगर ने लिखा कि उनकी जड़ें लाहौर में नहीं बल्कि पेशावर में हैं। उनके पिता पाकिस्तानी वायुसेना के अनुभवी राजनयिक थे और उनकी मां मूल रूप से जम्मू-कश्मीर की थीं।

बता दें, कभी तो नज़र मिलाओ, तेरा चेहरा, लिफ्ट करा दे और भर दो झोली जैसे गानों के लिए मशहूर गायक-संगीतकार, पहली बार 13 मार्च 2001 को इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग द्वारा जारी एक वर्ष की वैधता वाले आगंतुक वीजा पर भारत आए थे।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

विक्रम संवत 2079 कृष्ण प्रतिपदा

संपादकीय

अब दुनियाँ के हर देश की ऐसी विचारधारा हो गई है कि,भारत अब दम रखता है....

अब दुनियाँ के हर देश की ऐसी विचारधारा हो गई है कि,भारत अब दम रखता है, वैश्विक निर्णयों में हस्तक्षेप,अर्थव्यवस्था में दखल औरअंतरराष्ट्रीय मंचों पर दमक व विकसित देशोंमें पैठ के चलते पहलगाम हमले नें मानों सोए शेर को जगा दिया है, या यूं कहें कि दुश्मन ने मधुमक्खियां के छत्ते में हाथ डाला है तो अंजाम तो भुगतना पड़ेगा ही, हालांकि भारतीय फौजी नेता या विशेषज्ञों ने सीधे तौर पर कोई बयान नहीं दिया है परंतु मेरा मानना है कि बौद्धिक क्षमता में निपुण हर भारतीय अब समझ गया है कि सरकार अब पहलगाम हमले का जबरदस्त जवाब देने के मूड में है, क्योंकि हम देख रहे हैं कि सिंधु नदी जल, वीजा, वाघा बॉर्डर इत्यादि पर सख्त फैसलों के बाद जम्मू के अस्पतालों मेडिकल कॉलेजों को अलर्ट करना, भारतीय सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर रहना तथा दिनांक 26 अप्रैल 2025 को देर शाम सभी मीडिया चैनलों प्लेटफॉर्मों के लिए एडवाइजरी जारी करना यह किसी बड़ी कार्रवाई की ओर इशारा करता है,जिसपर पूरा विश्व नजरे गड़ाए बैठा है,क्योंकि पूरे अंतरराष्ट्रीय जगत ने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत के पक्ष में पुणे समर्थन दिया है, इसीलिए किसी ठोस कार्रवाई की उम्मीद लगाना वाजबी भी है। चूँकि अंतरराष्ट्रीय जगत में भारत द्वारा पाक पर किसी सैन्य कार्रवाई या सर्जिकल स्ट्राइक की सुबसुबाहट हो रही है,पहलगाम हमले की जवाबीकार्रवाई पर सबकी नज़रें टिकी हुई है, तथा भारत-पाक ने सीमा पर तैनाती बढ़ाई है एवं केंद्र सरकार, विपक्ष, जम्मू कश्मीर सरकार, कश्मीरी आवाम हम साथ साथ हैं, वाली लाइन पर आ गए हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, भारत पाक के बीच तनाव चरम पर पहुंचा, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी, जम्मू सरकारी मेडिकल, स्टाफ, दवाइयां, उपकरण तैयार रखने के आदेश ज़ारी।

साथियों बात अगर हम सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा सभी मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए एडवाइजरी जारी करने की करें तो, राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी मीडिया चैनलों, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं के लिए एक महत्वपूर्ण सलाह जारी की है। मंत्रालय ने निर्देश दिया है कि रक्षा अभियानों और सुरक्षा बलों की आवाजाही से संबंधित किसी भी जानकारी का सीधा प्रसारण न किया जाए। दरअसल, इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाओं को कवर करने को लेकर मीडिया पर सवाल उठ चुके हैं। ऐसे में प्रसारण मंत्रालय ने पहले ही मीडिया को सतर्क कर दिया है और सलाह दी है। एडवाइजरी में कहा गया है,राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में, सभी मीडिया प्लेटफॉर्म, समाचार एजेंसियों और सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि वे सुरक्षा संबंधी अभियानों से जुड़े मामलों पर रिपोर्टिंग करते समय अत्यधिक जिम्मेदारी बरतें। मौजूदा कानूनों और विनियमों का सख्ती से पालन करें। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि संवेदनशील जानकारी का असावधानीपूर्वक प्रसारण राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। पुलवामा हमले के दौरान कुछ मीडिया चैनलों द्वारा सुरक्षा बलों की तैनाती और उनके ठिकानों की विस्तृत जानकारी प्रसारित करने पर सवाल उठे थे। विशेषज्ञों और रक्षा विश्लेषकों ने तर्क दिया था कि ऐसी जानकारी आतंकवादी समूहों तक पहुंच सकती है, जिससे सुरक्षा बलों के लिए जोखिम बढ़ जाता है।एडवाइजरी में कारगिल युद्ध, मुंबई आतंकवादी हमले और कंधार विमान अपहरण जैसी पिछली घटनाओं का हलवा दिया गया है।

बाजीराव प्रथम

बाजीराव प्रथम मराठा साम्राज्य का महान् सेनानायक था। वह बालाजी विश्वनाथ और राधाबाई का बड़ा पुत्र था। राजा शाहू ने बालाजी विश्वनाथ की मृत्यु हो जाने के बाद उसे अपना दूसरा पेशवा (1720-1740 ई.) नियुक्त किया था। बाजीराव प्रथम को बाजीराव बल्लाल तथा थोरले बाजीराव के नाम से भी जाना जाता है। बाजीराव प्रथम विस्तारवादी प्रवृत्ति का व्यक्ति था। उसने हिन्दू जाति की कीर्ति को विस्तृत करने के लिए हिन्दू पद पादशाही के आदर्श को फैलाने का प्रयत्न किया।

योग्य सेनापति और राजनायक- बाजीराव प्रथम एक महान् राजनायक और योग्य सेनापति था। उसने मुग़ल साम्राज्य की कमज़ोर हो रही स्थिति का फ़ायदा उठाने के लिए राजा शाहू को उत्साहित करते हुए कहा था कि- आओ हम इस पुराने वृक्ष के खोखले तने पर प्रहार करें, शाखायें तो स्वयं ही गिर जायेंगी। हमारे प्रयत्नों से मराठा पताका कृष्णा नदी से अटक तक फहराने लगेगी।

इसके उत्तर में शाहू ने कहा कि- निश्चित रूप से ही आप इसे हिमालय के पार गाड़ देंगें। निःसन्देह आप योग्य पिता के योग्य पुत्र हैं।

राजा शाहू ने राज-काज से अपने को क़रीब-क़रीब अलग कर लिया था और मराठा साम्राज्य के प्रशासन का पूरा काम पेशवा बाजीराव प्रथम देखता था। बाजीराव प्रथम को सभी नौ पेशवाओं में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।

दूरदृष्टा- बाजीराव प्रथम ने अपनी दूरदृष्टि से देख लिया था कि मुग़ल साम्राज्य छिन्न-भिन्न होने जा रहा है। इसीलिए उसने महाराष्ट्र क्षेत्र से बाहर के हिन्दू राजाओं की सहायता से मुग़ल साम्राज्य के स्थान पर हिन्दू पद पादशाही स्थापित करने की योजना बनाई थी। इसी उद्देश्य से उसने मराठा सेनाओं को उत्तर भारत भेजा, जिससे पतनोन्मुख मुग़ल साम्राज्य की जड़ पर अन्तिम प्रहार किया जा सके। उसने 1723 ई. में मालवा पर आक्रमण किया और 1724 ई. में स्थानीय हिन्दुओं की सहायता से गुजरात जीत लिया।

साहसी एवं कल्पनाशील- बाजीराव प्रथम एक योग्य सैनिक ही नहीं, बल्कि विवेकी राजनीतिज्ञ भी था। उसने अनुभव किया कि मुग़ल साम्राज्य का अन्त निकट है तथा हिन्दू नायकों की सहानुभूति प्राप्त कर इस परिस्थिति का मराठों की शक्ति बढ़ाने में अच्छी तरह से उपयोग किया जा सकता है। साहसी एवं कल्पनाशील होने के कारण उसने निश्चित रूप से मराठा साम्राज्यवाद की नीति बनाई, जिसे प्रथम पेशवा ने आरम्भ किया था। उसने शाही शक्ति के केन्द्र पर आघात करने के उद्देश्य से नर्मदा के पार फैलाव की नीति का श्रीगणेश किया। अतः उसने अपने स्वामी शाहू से प्रस्ताव किया- हमें मुर्झाते हुए वृक्ष के धड़ पर चोट करनी चाहिए। शाखाएँ अपने आप ही गिर जायेंगी। इस प्रकार मराठों का झण्डा कृष्णा से सिन्धु तक फहराना चाहिए। बाजीराव के बहुत से साथियों ने उसकी इस नीति का समर्थन नहीं किया। उन्होंने उसे समझाया कि उत्तर में विजय आरम्भ करने के पहले दक्षिण में मराठा शक्ति को दृढ़ करना उचित है। परन्तु उसने वाक् शक्ति एवं उत्साह से अपने स्वामी को उत्तरी विस्तार की अपनी योग्यता की स्वीकृति के लिए राज़ी कर लिया।

हिन्दू पद पादशाही का प्रचार- हिन्दू नायकों की सहानुभूति जगाने तथा उनका समर्थन प्राप्त करने के लिए बाजीराव ने हिन्दू पद पादशाही के आदर्श का प्रचार किया। जब उसने दिसम्बर, 1723 ई. में मालवा पर आक्रमण किया, तब स्थानीय हिन्दू ज़मींदारों ने उसकी बड़ी सहायता की, यद्यपि इसके लिए उन्हें अपार धन-जन का बलिदान करना पड़ा। गुजरात में गृह-युद्ध से लाभ उठाकर मराठों ने उस समृद्ध प्रान्त में अपना अधिकार स्थापित कर लिया। परन्तु इसके मामलों में बाजीराव प्रथम के हस्तक्षेप का एक प्रतिद्वन्द्वी मराठा दल ने, जिसका नेता पुश्तैनी सेनापति त्र्यम्बकराव दाभाड़े था, घोर विरोध किया।

सफलताएँ- बाजीराव प्रथम ने सर्वप्रथम दक्कन के निज़ाम निज़ामुलमुल्क से लोहा लिया, जो मराठों के बीच मतभेद के द्वारा फूट पैदा कर रहा था। 7 मार्च, 1728 को पालखेड़ा के संघर्ष में निजाम को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा और 'मुगी शिवगांव' संधि के लिए बाध्य होना पड़ा, जिसकी शर्तें कुछ इस प्रकार थीं-

शाहू को चौथ तथा सरदेशमुखी देना।

शम्भू की किसी तरह से सहायता न करना।

जीते गये प्रदेशों को वापस करना।

युद्ध के समय बन्दी बनाये गये लोगों को छोड़ देना आदि।

शिवाजी के वंश के कोल्हापुर शाखा के राजा शम्भुजी द्वितीय तथा निज़ामुलमुल्क, जो बाजीराव प्रथम की सफलताओं से जलते थे, त्र्यम्बकराव दाभाड़े से जा मिले। परन्तु बाजीराव प्रथम ने अपनी उच्चतर प्रतिभा के बल पर अपने शत्रुओं की योजनाओं को विफल कर दिया। 1 अप्रैल, 1731 ई. को ढावोई के निकट बिल्हापुर के मैदान में, जो बड़ौदा तथा ढावोई के बीच में है, एक लड़ाई हुई। इस लड़ाई में त्र्यम्बकराव दाभाड़े परास्त होकर मारा गया। बाजीराव प्रथम की यह विजय पेशवाओं के इतिहास में एक युगान्तकारी घटना है। 1731 में निज़ाम के साथ की गयी एक सन्धि के द्वारा पेशवा को उत्तर भारत में अपनी शक्ति का प्रसार करने की छूट मिल गयी। बाजीराव प्रथम का अब महाराष्ट्र में कोई भी प्रतिद्वन्द्वी नहीं रह गया था और राजा शाहू का उसके ऊपर केवल नाम मात्र नियंत्रण था।

दक्कन के बाद गुजरात तथा मालवा जीतने के प्रयास में बाजीराव प्रथम को सफलता मिली तथा इन प्रान्तों में भी मराठों को चौथ एवं सरदेशमुखी वसूलने का अधिकार प्राप्त हुआ। 'बुन्देलखण्ड' की विजय बाजीराव की सर्वाधिक महान् विजय में से मानी जाती है। मुहम्मद ख़ाँ वंगश, जो बुन्देला नरेश छत्रसाल को पूर्णतः समाप्त करना चाहता था, के प्रयत्नों पर बाजीराव प्रथम ने छत्रसाल के सहयोग से 1728 ई. में पानी फेर दिया और साथ ही मुग़लों द्वारा छीने गये प्रदेशों को छत्रसाल को वापस करवाया। कृतज्ञ छत्रसाल ने पेशवा की शान में एक दरबार का आयोजन किया तथा काल्पी, सागर, झांसी और हृद्यनगर पेशवा को निजी जागीर के रूप में भेंट किया।

निज़ामुलमुल्क पर विजय- बाजीराव प्रथम ने सौभाग्यवश आमेर के सवाई जयसिंह द्वितीय तथा छत्रसाल बुन्देला की मित्रता प्राप्त कर ली। 1737 ई. में वह सेना लेकर दिल्ली के पार्श्व तक गया, परन्तु बादशाह की भावनाओं पर चोट पहुँचाने से बचने के लिए उसने अन्दर प्रवेश नहीं किया। इस मराठा संकट से मुक्त होने के लिए बादशाह ने बाजीराव प्रथम के घोर शत्रु निज़ामुलमुल्क को सहायता के लिए दिल्ली बुला भेजा। निज़ामुलमुल्क को 1731 ई. के समझौते की अपेक्षा करने में कोई हिचकिचाहट महसूस नहीं हुई। उसने बादशाह के बुलावे का शीघ्र ही उत्तर दिया, क्योंकि इसे उसने बाजीराव की बढ़ती हुई शक्ति के रोकने का अनुकूल अवसर समझा। भोपाल के निकट दोनों प्रतिद्वन्द्वियों की मुठभेड़ हुई। निज़ामुलमुल्क पराजित हुआ तथा उसे विवश होकर सन्धि करनी पड़ी। इस सन्धि के अनुसार उसने निम्न बातों की प्रतिज्ञा की-

बाजीराव को सम्पूर्ण मालवा देना तथा नर्मदा एवं चम्बल नदी के बीच के प्रदेश पर पूर्ण प्रभुता प्रदान करना।

बादशाह से इस समर्पण के लिए स्वीकृति प्राप्त करना।

पेशवा का ख़र्च चलाने के लिए पचास लाख रुपयों की अदायगी प्राप्त करने के लिए प्रत्येक प्रयत्न को काम में लाना।

अकाल मृत्यु- इन प्रबन्धों के बादशाह द्वारा स्वीकृत होने का परिणाम यह हुआ कि मराठों की प्रभुता, जो पहले ठेठ हिन्दुस्तान के एक भाग में वस्तुतः स्थापित हो चुकी थी, अब क़ानूनन भी हो गई। पश्चिमी समुद्र तट पर मराठों ने पुर्तग़ालियों से 1739 ई. में साष्टी तथा बसई छीन ली। परन्तु शीघ्र ही बाजीराव प्रथम, नादिरशाह के आक्रमण से कुछ चिन्तित हो गया। अपने मुसलमान पड़ोसियों के प्रति अपने सभी मतभेदों को भूलकर पेशवा ने पारसी आक्रमणकारी को संयुक्त मोर्चा देने का प्रयत्न किया।

सोलर पैनल बनाएगी मुकेश अंबानी की यह कंपनी, बताया आगे क्या है प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने सोलर पैनलों के निर्माण के लिए अपनी पहली यूनिट चालू कर दी है और बैटरी स्टोरेज प्रोडक्शन सुविधाओं का निर्माण करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। कंपनी ने निवेशकों के समक्ष प्रस्तुति में यह जानकारी दी।रिलायंस ने 2021 में रिन्यूएबल एनर्जी, स्टोरेज और हाइड्रोजन को कवर करते हुए 10 अरब डॉलर की योजना का अनावरण किया था क्योंकि इसने 2035 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन की स्थिति का अनुसरण कर रही है। बता दें कि कल रिलायंस के शेयर फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर बीते शुक्रवार को 1,301 रुपये पर बंद हुए थे।

क्या है डिटेल - रिलायंस भारत का सबसे बड़ा समूह है, जो तेल और पेट्रोकेमिकल्स से लेकर दूरसंचार और खुदरा क्षेत्र तक में सक्रिय है। शुक्रवार को पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की आय की घोषणा करते हुए एक निवेशक प्रस्तुति पोस्ट में रिलायंस ने कहा, ÷सौर पीवी मॉड्यूल की पहली लाइन चालू हो गई है।÷ उद्योगपति मुकेश अंबानी द्वारा संचालित यह कंपनी अदाणी समूह, टाटा, वारी एनर्जी और विक्रम सोलर जैसी कंपनियों में शामिल हो गई है जो सौर पीवी मॉड्यूल बनाती हैं।

सरकार ने जून, 2026 से सभी नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को स्थानीय स्तर पर उत्पादित सेल से बने सौर पीवीजेड मॉड्यूल का उपयोग करने का आदेश दिया है, ताकि चीनी आयात पर निर्भरता कम की जा सके और घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा दिया जा सके। घरेलू सौर पैनल विनिर्माण भारत को 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के अपने व्यापक लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा। रिलायंस गुजरात के जामनगर में 5,000 एकड़ की जगह पर 'गीगा फैक्ट्रियां' बना रही है, जहां फोटोवोल्टिक (पीवी) मॉड्यूल, बैटरी, हाइड्रोजन इलेक्ट्रोलाइजर और ईंधन सेल का उत्पादन किया जाएगा।

पीवी मॉड्यूल को आमतौर पर सौर पैनल के रूप में जाना जाता है, जो फोटोवोल्टिक प्रभाव का उपयोग करके सूर्य के प्रकाश को सीधे बिजली में परिवर्तित करते हैं।

267त रिटर्न देने वाले स्टॉक का हो रहा है 2 हिस्सों में बंटवारा, रिकॉर्ड डेट घोषित

नई दिल्ली (एजेंसी)। Virat Leasing Ltd ने शेयरों के बंटवारे का ऐलान किया है। कंपनी के शेयरों को 2 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के लिए कंपनी ने रिकॉर्ड डेट का ऐलान किया है। कंपनी के शेयरों का भाव 100 रुपये से कम का है।

रिकॉर्ड डेट का कंपनी ने किया ऐलान - एक्सचेंज को दी जानकारी के अनुसार Virat Leasing Ltd ने बताया है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 2 टुकड़ों में बांटा जाएगा। कंपनी ने कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू को 2 टुकड़ों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 5 रुपये हो जाएगा। Virat Leasing Ltd ने शनिवार को दी जानकारी में बताया है कि स्टॉक स्प्लिट के लिए रिकॉर्ड डेट 16 मई 2025 तय किया गया है। यह पहली बार है जब कंपनी के शेयरों का बंटवारा हो रहा है। बीएसई के डाटा के अनुसार इस कंपनी ने अभी तक एक बार भी बोनस शेयर या डिविडेंड भी नहीं दिया है।

शुक्रवार Virat Leasing Ltd के शेयरों में 2 प्रतिशत का लोअर सर्किट लगा था। जिसके बाद कंपनी के शेयर मार्केट क्लोजिंग के टाइम पर 74.73 रुपये के लेवल पर था। इससे पहले कंपनी के शेयरों में 21 अप्रैल, 23 अप्रैल और 24 अप्रैल को कंपनी के शेयरों में लोअर सर्किट लगा है।

महिंद्रा करेगी इस दिग्गज कंपनी का टेकओवर, 59.96% हिस्सा खरीदने का ऐलान, आएगा ओपन ऑफर भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने SML Isuzu Ltd में 58.96 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा 650 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से 555 करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके अलावा महिंद्रा एंड महिंद्रा, सेबी के नियमों के अनुसार कंपनी के टेकओवर के लिए ओपन ऑफर भी लाएगी। बता दें, इस डील की जानकारी शनिवार, 27 अप्रैल को महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सभी के साथ साझा किया है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा इस डील के तहत एसएमएल के प्रमोटर सुमितो कॉरपोरेशन से 43.96 प्रतिशत हिस्सा खरीदेगी। वहीं, SML Isuzu Ltd के पब्लिक शेयर होल्डर्स से कंपनी 15 प्रतिशत हिस्सा खरीदेगी। महिंद्रा एंड महिंद्रा को इसके बाद 26 प्रतिशत हिस्सा खरीदना ही होगा। सेबी के नियमों के अनुसार महिंद्रा एंड महिंद्रा को अतिरिक्त 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए ओपन ऑफर लाना होगा।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की पोजीशन होगी मजबूत- इस प्रस्तावित अधिग्रहण से महिंद्रा एंड महिंद्रा की 3.5 टन कॉमर्शियल सेगमेंट में स्थिति और मजबूत हो जाएगी। मौजूदा समय में महिंद्रा एंड महिंद्रा का इस सेगमेंट में 3 प्रतिशत हिस्सा है। वहीं, 3.5 टन एलसीवी सेगमेंट में महिंद्रा एंड महिंद्रा की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत है। बता दें, महिंद्रा एंड महिंद्रा का कहना है कि इस अधिग्रहण के बाद उनका मार्केट शेयर 6 प्रतिशत हो जाएगा।

दिग्गज कंपनी है SML Isuzu- SML Isuzu एक स्थापित और लोकप्रिय ब्रांड है। कंपनी की मौजूदगी देश भर में है। SML Isuzu आईएलसीवी सेगमेंट में एक लीडिंग कंपनी है। बस सेगमेंट में SML Isuzu की कुल हिस्सेदारी 16 प्रतिशत की है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान कंपननी का ऑपरेटिंग रेवन्यू 2196 करोड़ रुपये रहा था। वहीं, EBITDA इस दौरान 179 करोड़ रुपये रहा था। शुक्रवार को महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के शेयर बीएसई में 1.33 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2862.20 रुपये के लेवल पर बंद हुआ था। कंपनी के शेयरों की कीमतों में एक साल के दौरान 36 प्रतिशत की तेजी आई है।

हेल्थ इंश्योरेंस पर GST से राहत का इंतजार, 4 महीने से नहीं हो पाई काउंसिल की बैठक; सरकार ने बनाया प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। गत एक फरवरी को पेश बजट में इनकम टैक्स में राहत के बाद गत मार्च में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि अब जीएसटी में भी राहत की तैयारी की जा रही है। लेकिन जीएसटी में राहत का इंतजार लंबा हो सकता है।

जीएसटी की दरों में किसी भी प्रकार का बदलाव सिर्फ जीएसटी काउंसिल की बैठक में किया जा सकता है, लेकिन पिछले चार महीनों से जीएसटी काउंसिल की बैठक नहीं बुलाई गई है। जीएसटी काउंसिल की आखिरी बैठक गत दिसंबर में हुई थी और उसके बाद से बैठक नहीं बुलाई गई है।

मई में बैठक की उम्मीद नहीं- चलन के मुताबिक तीन माह में एक बार जीएसटी काउंसिल की बैठक का आयोजन जरूरी माना जाता है। उम्मीद की जा रही थी कि अप्रैल के आखिर या मई माह के पहले सप्ताह में जीएसटी काउंसिल की बैठक हो सकती है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि मई माह के आखिर से पहले काउंसिल की बैठक की कोई उम्मीद नहीं है।

आगामी जीएसटी काउंसिल की बैठक में दरों को तर्कसंगत बनाने और दरों के स्लैब में बदलाव को लेकर भी चर्चा की उम्मीद है। इसे लेकर काउंसिल ने मंत्रियों के समूह का गठन किया था और समूह ने अपनी रिपोर्ट काउंसिल को सौंप दी है। जानकारों के मुताबिक जीएसटी काउंसिल की आगामी बैठक में दरों में राहत को लेकर चर्चा शुरू हो सकती है, परंतु उन पर कोई फैसला कम से कम दो बैठक के बाद ही होगी।

ट्रंप टैरिफ के बाद टूट गया था यह भारतीय शेयर, अब चीन ने भी दिया झटका, 654 पर आया भाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा मोटर्स के शेयर आने वाले दिनों में फोकस में रह सकते हैं। कंपनी के शेयर ट्रंप टैरिफ के बाद से ही लगातार गिर रहे थे। इस बीच अब चीन ने एक और झटका दे दिया है। बता दें कि टाटा समूह के शेयर में बीते शुक्रवार को 3% तक की गिरावट देखी गई और यह 654.15 रुपये पर बंद हुए। टाटा मोटर्स के शेयर इस साल अब तक करीबन 15% तक गिर गए।

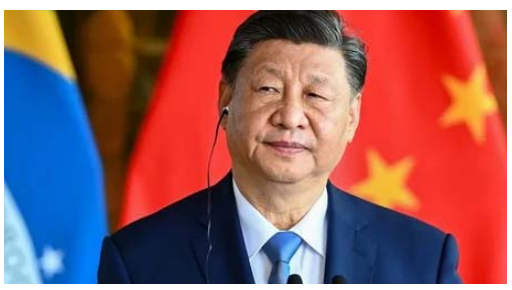

बता दें कि चीन द्वारा भारत को दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों की आपूर्ति रोक दिए जाने के बाद गुरुवार और शुक्रवार को टाटा मोटर्स लिमिटेड के शेयरों में गिरावट देखी गई। उद्योग सूत्रों के अनुसार, चीन से होने वाले पलायन के कारण भारतीय ईवी और कंपोनेंट निर्माताओं के लिए विनिर्माण संबंधी समस्याएं पैदा हो रही हैं। इस निर्णय के परिणामस्वरूप, वाहन और घटक निर्माताओं ने सरकार से सहायता मांगी है। सीएनबीसी टीवी 18 के सूत्रों के अनुसार, चीन ने 4 अप्रैल से भारत को दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों की आपूर्ति प्रतिबंधित कर दी है और अब आधिकारिक रूप से अधिकृत दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों की खेप जारी करने से पहले लास्ट यूजर्स सर्टिफिकेट का अनुरोध कर रहा है। पड़ोसी देश ने यह भी निर्दिष्ट किया है कि आयातकों को भारत के विदेश मंत्रालय और चीनी वाणिज्य दूतावास दोनों द्वारा हस्ताक्षरित अंतिम उपयोगकर्ता प्रमाणपत्र प्राप्त करना होगा। आयातकों को यह भी पुष्टि करनी होगी कि दुर्लभ पृथ्वी चुम्बकों का उपयोग हथियारों के निर्माण या तीसरे पक्ष को वितरित करने के लिए नहीं किया जाएगा।

6 के शेयर में तूफानी तेजी, 5 दिन में 70% चढ़ गया भाव, लगातार अपर सर्किट

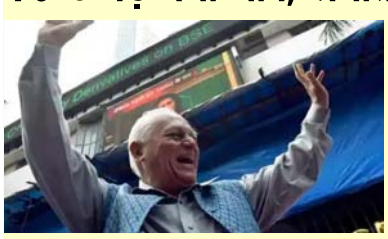

नई दिल्ली (एजेंसी)। ग्लोबल लेवल से मिले सकारात्मक संकेतों के बीच जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुये आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के बीच बने तनावपूर्ण स्थिति के बीच शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन बिकवाली का दबाव देखा गया। इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी लाल निशान में बंद हुआ था। इस बीच, एक पेनी स्टॉक ने तगड़ा रिटर्न दे दिया। पिछले पांच दिन में इसमें 70% तक की तेजी देखी गई। यह शेयर- कंट्री कोंडो लिमिटेड का है।

शेयरों के हाल- कंट्री कोंडो लिमिटेड के शेयर बीते शुक्रवार को 10% चढ़कर 10.97 रुपये पर पहुंच गए। यह इसका 52 वीक हाई प्राइस भी रहा। पिछले पांच दिन में यह शेयर 70% तक चढ़ गया। पांच दिन में यह शेयर 6 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया। महीनेभर में यह शेयर 80% तक चढ़ गया। इस साल अब तक इसमें 55% तक की तेजी आई।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

बुरहानपुर में गोशाला में भड़की आग से 20 पशुओं की मौत, 10 झुलसे

बुरहानपुर। शहर की महाजन कालोनी में स्थित एक निजी गोशाला में रविवार दोपहर तीन बजे के आसपास आग भड़क गई, जिससे बाड़े में बंधे बीस मवेशियों की मौत हो गई। इस अग्निकांड में दस भैंसें गंभीर रूप से झुलस गई हैं। उनका इलाज हो जा रहा है।

बताया जाता है कि यह गोशाला तुलसीराम यादव की है। 40 से ज्यादा मवेशी बंधे हुए थे। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने पानी डाल कर बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग ने विकराल रूप ले लिया। नगर निगम के तीन दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सूखे चारे व भेसे से भड़की आग

सूचना मिलने पर मोहम्मदपुरा पंचायत की सरपंच आम्रपाली तायड़े और पंच रोहन पाटिल भी मौके पर पहुंच गए थे। बताया जाता है कि गोशाला में रखे सूखे चारे, भूसे के कारण आग तेजी से भड़की थी। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

व्यावसायिक भवनों में भी नहीं अग्नि सुरक्षा के प्रबंध

शहर में हर साल गर्मी के दिनों में अग्नि दुर्घटनाएं सामने आती हैं। कुछ साल पहले इंदौर-इच्छापुर हाइवे पर स्थित पाकीजा माल में भीषण आग भड़की थी। इस माल में कई कर्मचारी फंसे थे, जिन्होंने दूसरी व तीसरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचाई थी। अब भी शहर के कमल टाकीज तिराहा, गांधी चौक सहित अन्य स्थानों पर कई ऐसे व्यावसायिक भवन हैं, जिनमें अग्नि सुरक्षा के ठोस प्रबंध नहीं हैं।

इन भवनों में यदि आग भड़की तो जान माल का बड़ा नुकसान होना तय है। बावजूद इसके नगर निगम प्रशासन ने अब तक ऐसे भवनों की न तो जांच शुरू की है और न उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की गई है।

केवल अस्पतालों का फायर ऑडिट कराया

जबलपुर सहित अन्य अस्पतालों में हुई बड़ी अग्नि दुर्घटनाओं के बाद बीते साल नगर निगम प्रशासन हरकत में आया था, लेकिन तब केवल शहर के अस्पतालों का फायर सेफ्टी आडिट ही कराया गया था। इनमें से भी कई अस्पतालों ने केवल औपचारिकता निभाई थी।

एक विसंगति यह भी है कि नगर निगम के पास फायर आफिसर ही नहीं है। जिसके कारण फायर सेफ्टी आडिट के लिए इंदौर से आफिसर बुलाना पड़ता है। यही वजह है कि इसके आवेदन सालों तक लंबित रहते हैं।

हादसा या आत्महत्या...चश्मदीद बोले- फोन पर झगड़ रही थी

बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र क्षेत्र के बूढ़ी और भटेरा रेलवे क्रॉसिंग के पास रविवार दोपहर एक बजे 22 वर्षीय युवती की मालगाड़ी से कटकर दर्दनाक मौत हो गई। युवती का शरीर दो टुकड़ों में बंट गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव बरामद कर शव को जिला अस्पताल भेजा। जानकारी के अनुसार किरनापुर के पीपरटोला निवासी दुर्गा पिता अंगराज बिसेन (22) बालाघाट के पीजी कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी। वह सहेलियों के साथ बालाघाट में किराए के कमरे रहती थी। चश्मदीदों की मानें तो दोपहर करीब एक बजे दुर्गा फोन पर बात कर रही थी। इस बीच वह वारासिवनी से बालाघाट स्टेशन की तरफ जा रही मालगाड़ी की चपेट में आ गई।

दुर्गा फोन पर किसी से झगड़ रही थी...

कुछ लोगों का कहना है कि हादसे से पहले दुर्गा फोन पर किसी से बात करते हुए झगड़ रही थी। वह बार-बार ट्रेन से कटकर जान देने की धमकी दे रही थी। ट्रेन की

चपेट में आने के बाद दुर्गा का फोन दूर जा गिरा। इस दौरान उसके फोन पर 18-20 बार फोन कॉल आए, लेकिन मोबाइल लॉक था।

पुलिस कर रही है मामले की जांच

पुलिस ने मोबाइल जब्त कर लिया है। पुलिस की जांच से यह पता चलेगा कि दुर्गा ने आत्महत्या की है या वह हादसे का शिकार हुई है। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

रीवा की लेडी कांस्टेबल की गुंडागर्दी, सतना पुलिस की मदद से महिला को थाने लाकर जमकर पीटा

सतना। रीवा जिले की महिला पुलिसकर्मी पर सतना में एक अधेड़ महिला से मारपीट का गंभीर आरोप लगा है। महिला ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर शिकायत की है। उसने आरोप लगाया है कि शाहीन खान नाम की महिला पुलिसकर्मी ने कोलगवां थाना के कुछ पुलिसकर्मियों के सहयोग से मारपीट की है और उसे धमकी दी है कि यदि जावेद खान से पैसों की मांग की तो जान से मार देंगे।

बताया जाता है कि सिंधी कैंप में रहने वाली आशा सिंह पति राजेंद्र सिंह के घर में जावेद खान नामक व्यक्ति पिछले दिनों किराए से रह रहा था। जावेद खान माधवगढ़ का रहने वाला है अपनी परेशानियों को बता कर उसने आशा सिंह से पहले 70000 रुपये उधार लिए उसके बाद 2 लाख 99 हजार रुपए ले लिए। लौटाने का वादा किया था, लेकिन वापस नहीं किए

करीब 2 साल पहले लौटाने का वादा किया था, लेकिन पैसे वापस नहीं किए गए। जब महिला ने अपना पैसा वापस मांगना शुरू किया तो एक महिला पुलिसकर्मी के जरिए उसे डराना- धमकाना शुरू कर दिया। वहीं 24 अप्रैल को उसे घर से उठाकर सभी ने मारपीट की और उन्हें तमाम तरह से डराया धमकाया।

पुलिस ने लिखी साधारण एफआईआर

आशा सिंह के द्वारा की गई शिकायत के मामले में कोलगवां थाना पुलिस ने मेडिकल परीक्षण करने के बाद साधारण एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने जावेद खान से पैसों के लेनदेन के विवाद का प्रकरण कायम किया है। लेकिन महिला पुलिसकर्मी के द्वारा की गई मारपीट के संबंध में किसी प्रकार की कोई एफआईआर दर्ज नहीं की है।

क्या है शाहीन और जावेद का

रिश्ता पीड़ित महिला के मुताबिक शाहीन खान और जावेद खान पति पत्नी की तरह रहते हैं, विवाह नहीं हुआ है हालांकि दोनों एक दूसरे के संपर्क में है। जावेद खान के संबंध में बताया जाता है कि वह माधवगढ़ में शराब तस्करी का काम जोरों पर कर रहा है और इसके लिए उसने पुलिसिया संरक्षण प्राप्त कर रखा है। रीवा की महिला पुलिसकर्मी के सहारे वह अवैध कारोबार अंजाम दे रहा है। इसी के चलते हर मामले में उसकी तरफदारी कर पुलिस खड़ी हो रही है। अब देखना यह दिलचस्प होगा कि प्रकरण में पुलिस विभाग क्या कार्रवाई करता है।

पूंछताछ के लिए बुलाया गया था

इस पूरे मामले में कोलगवां टीआई सुदीप सोनी ने बताया कि समान थाना रीवा में पदस्थ महिला आरक्षक शाहीन खान ने शिकायत की थी कि महिला आशा सिंह उसके साथ फोन पर गाली गलौच करती है। इस पर सब इंस्पेक्टर मुलायम बाई द्वारा आशा सिंह को पूछताछ के लिए बुलाया था। इसी दौरान रीवा की महिला आरक्षक के बीच विवाद हो गया। उसी में आशा सिंह को चोट पहुंची। बाद में आशा सिंह की एमएलसी कराई गई। टीआई ने बताया कि आशा सिंह और जावेद के बीच पैसों के लेनदेन का विवाद है।

सतना में कार की टक्कर से 3 वर्षीय बच्चे की मौत, ड्राइविंग सीखते समय हुआ एक्सीडेंट

सतना। मैहर शहर की बोस कॉलोनी में शनिवार की शाम एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन की टक्कर से एक 3 वर्षीय मासूम की मौत हो गई है। मासूम की मौत के बाद पूरे मोहल्ले में मातम का माहौल रहा।

उधर, बच्चे की मां ने अपने जिगर के टुकड़ें का शव लेकर मैहर थाना पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।दरअसल, मैहर के बॉस कॉलोनी में रहने वाले अमित सिंह चौहान का 3 वर्षीय बेटा शिवांश सिंह चौहान घर के ही सामने अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इस दौरान कॉलोनी से निकलते हुए एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन बच्चे को जोरदार ठोकर मारते हुए निकल गया। चार पहिया वाहन की ठोकर से शिवांश गंभीर रुप से घायल हो गया, जिसे आनन-फानन में सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान शिवांश ने दम तोड़ दिया।

शव को गोद में लेकर मां पहुंची थाना

इलाज के दौरान मासूम शिवांश की मौत के बाद बच्चें की मां शव को गोद में लिए मैहर थाने पहुंच गई। मां ने आरोपितों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए हत्या का प्रकरण दर्ज करने की मांग की। हालांकि पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कार जब्त कर ली है। वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से वाहन चलाने व हत्या का प्रकरण दर्ज कर लिया है।

ड्राइविंग सीखने के दौरान हुई घटना...

घटना के संबंध में प्राप्त जानकारी के मुताबिक आरोपित विनोद सेन (55) कार से कार ड्राइविंग सीख रहा था। इसी दौरान अचानक कार की रफ्तार बढ़ गई। बच्चे को टक्कर लग गई। घटना के बाद आरोपी विनोद सेन ने ही कार से मासूम को अस्पताल पहुंचाया।

ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा संचालित करने वाला मुख्य आरोपी प्रयागराज से गिरफ्तार

इंदौर। क्राइम ब्रांच इंदौर को बड़ी सफलता मिली है। शहर में ऑनलाइन सट्टा रैकेट चलाने वाले मुख्य संचालक यश भाना और उसके साथी मयंक मूलचंदानी को पुलिस ने उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से गिरफ्तार किया है। आरोपी भारत बनाम न्यूजीलैंड के बीच खेले गए आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल मैच के दौरान ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहे थे।

इस मामले में अब तक कुल 9 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पूर्व में की गई कार्रवाई के दौरान क्राइम ब्रांच ने स्कीम नंबर 78, लसूड़िया क्षेत्र स्थित फ्लैट से 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया था और उनके कब्जे से 52 मोबाइल, 9 लैपटॉप, 35 एटीएम कार्ड, 44 चेकबुक, 2 रजिस्टर सहित 20 से 25 करोड़ रुपये का सट्टे का हिसाब जब्त किया था।

गिरफ्तारी के दौरान यह खुलासा हुआ कि आरोपीगण https://winjoyexch.com और https://ww.rebelwy|.com जैसी वेबसाइटों के माध्यम से ग्राहकों को आईडी व पासवर्ड उपलब्ध कराते थे, जिससे ग्राहक ऑनलाइन गेम्स में दांव लगाकर सट्टा खेलते थे। इसके एवज में आरोपी अलग-अलग बैंक खातों में ऑनलाइन पेमेंट लेते थे।

प्रकरण क्रमांक- 47/2025, धारा ङ गैंबलिंग एक्ट एवं 112 बीएनएस के तहत दर्ज इस मामले में मुख्य संचालक यश भाना (26 वर्ष, निवासी मंदसौर) और उसका साथी मयंक मूलचंदानी (28 वर्ष, निवासी बड़नगर उज्जैन) फरार थे। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में यश ने बताया कि वह स्क्रूपास है और इंदौर में अपने साथियों के साथ मिलकर ऑनलाइन सट्टा संचालित कर रहा था। गिरफ्तारी से बचने के लिए वह लगातार स्थान बदलते हुए प्रयागराज में छिपा हुआ था।

अब तक गिरफ्तार आरोपी
सतीश सुथार (50 वर्ष, राजस्थान)
रवि चौधरी (25 वर्ष, उज्जैन)
निलेश पाटीदार (23 वर्ष, रतलाम)
सचिन यादव (24 वर्ष, उज्जैन)
मोहित नागल (24 वर्ष, उज्जैन)
विशाल यादव (23 वर्ष, रतलाम)
7. साहिल खान (29 वर्ष, इंदौर)
मयंक मूलचंदानी (28 वर्ष, उज्जैन)
यश भाना (26 वर्ष, मंदसौर)

क्राइम ब्रांच द्वारा गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्य के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई जारी है। पुलिस ने दोनों आरोपियों का पुलिस रिमांड भी प्राप्त कर लिया है और रैकेट से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है।

पहलगाम में पर्यटकों के नरसंहार पर शोक सभा

इंदौर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा की गई नृशंस हत्या के विरोध में श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के तत्वावधान में विद्यासागर स्कूल परिसर में शोक सभा रखी गई। जिसमें मारे गए निर्दोष पर्यटकों को अश्रुपूर्ण एवं दो मिनिट का मोन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। 27 पर्यटकों का नरसंहार एक ऐसी गंभीर घटना है, जिसके खून के छींटे जम्मू-कश्मीर की वादियों में चीख-चीख कर आतंकवादियों की करतूत बयां कर रहे हैं। जिन्होंने 27 निर्दोष पर्यटकों को गोलियों से भूनकर बेरहमी से मार डाला।

किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी कि एक पल में सब कुछ खत्म हो जाएगा। इस हमले में कई पर्यटक घायल भी हुए। आज पूरा विश्व स्तब्ध है। ऐसा जघन्य अपराध जिसे कभी माफ नहीं किया जा सकता। इस कायराना हमले की निंदा की गई।

शोक सभा को संबोधित करते हुए अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक इंदौर - श्री सत्यनारायण पटेल जी ने शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की तथा भटक रहे युवाओं के प्रति अपनी चिंता भी व्यक्त की। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती भावना पुजारी ने सभी से अपील करते हुए कहा कि शिक्षा जगत की जिम्मेदारी अब और भी बढ़ जाती है। हमें ऐसे चरित्र का निर्माण करना है जो निर्माण करें, विध्वंस न करें। साथ ही उन्होंने अभिभावकों से भी सहयोग की अपेक्षा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नव-दम्पति को दिया आशीर्वाद

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुरहानपुर के नेपानगर की विधायक सुश्री मंजू दादू की बहन के विवाह समारोह में शामिल होकर नव-दम्पत्ति को आशीर्वाद दिया।।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सौ.का. अंजली और चि. रोहित को आशीर्वचन प्रदान करते हुए नव-दम्पत्ति के सुखद, स्वस्थ एवं सफल दांपत्य जीवन की मंगलकामनाएँ दीं। उन्होंने नव-विवाहित जोड़े को रामचरित मानस की प्रति भी भेंट की। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने भी नव-विवाहित जोड़े को आशीर्वाद एवं शुभकामनाएं दी। विवाह समारोह में जल संसाधन एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, सांसद श्री ज्ञानेश्वर पाटील, बुरहानपुर विधायक श्रीमती अर्चना चिटनिस, महापौर श्रीमती माधुरी पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गंगाराम मार्को सहित अन्य जन-प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया गया

निःशुल्क रेबीज टीकाकरण, उपचार एवं औषधि वितरण शिविर का हुआ आयोजन

इंदौर। इंदौर में आज विश्व पशु चिकित्सा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रांतीय राजपत्रित पशु चिकित्सक संघ एवं पशुपालन डेयरी विभाग के संयुक्त तत्वाधान में संभागीय पशु चिकित्सालय स्नेह लता गंज इंदौर पर एक वृहत निःशुल्क रेबीज टीकाकरण, उपचार एवं औषधि वितरण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के अनौपचारिक उद्घाटन के पूर्व पहलगाम में आतंकी हमले में मृत लोगों के प्रति 2 मिनट का मौन रखकर सादर श्रद्धांजलि दी गई। भारतीय पशु चिकित्सा परिषद के आह्वान पर उपस्थित समस्त पशु चिकित्सा परिवार के सदस्यों द्वारा काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शित करते हुए कार्य किया गया । शिविर में उपसंचालक डॉ. शशांक जुमडे, सेवानिवृत्ति उपसंचालक डॉ. रतनावत, प्रांतीय राजपत्रित पशु चिकित्सा संघ के अध्यक्ष डॉ. अमृतलाल शर्मा, संभागीय पशु चिकित्सालय के सिविल सर्जन डॉ. दिनकर पाटील, डॉ पटेल, डॉ श्वेता मिश्रा, डॉ सोनी, डॉ. कीर्ति, लेडी विंग की पदाधिकारी डॉ. गोल्डी श्रीवास्तव, डॉ. विनीत पाटीदार, डॉ. प्रीति सिंह, डॉ. अनुपम, डॉ. माने, डॉ. मालवीय, डॉ. मनीष व्यास, डॉ. राजू, डॉ अखिलेश उपाध्याय एवं पशु चिकित्सा परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

इंदौर में यातायात पुलिस का सघन जागरूकता अभियान, 448 चालान कराई कार्रवाई

इंदौर। इंदौर शहर में सुगम, सुरक्षित और सुखद यातायात व्यवस्था के लिए यातायात पुलिस ने सघन जागरूकता अभियान शुरू किया है। पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान के तहत यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। यातायात पुलिस अधिकारी प्रतिदिन अपने क्षेत्रों और प्रमुख चौराहों पर भ्रमण कर यातायात कर्मचारियों और अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे हैं। साथ ही चौराहों पर माइक के माध्यम से अनाउंसमेंट कर वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील भी की जा रही है।

सेंट्रल इंडिया के पहले चेस पार्क का लोकार्पण महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया

इंदौर। इंदौरवासियों के लिए गर्व का क्षण आया जब सुदामा नगर में सेंट्रल इंडिया का पहला चेस पार्क बनकर तैयार हो गया। शनिवार को इस अद्वितीय चेस पार्क का भव्य लोकार्पण नगर निगम के सहयोग से महापौर पुष्यमित्र भार्गव द्वारा किया गया।यह पार्क संस्था एफटीएस युवा इंदौर के अभियान एक कदम शतरंज की ओर और ऑल इंदौर चेस एसोसिएशन के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। इस मौके पर ऑल इंदौर चेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल फतेहचंदानी और वरिष्ठ सदस्य डॉ. सुनील सोमानी सहित स्थानीय नागरिक और बड़ी संख्या में बच्चे भी उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय शतरंज खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर प्रवीण ठिप्से और मध्यप्रदेश के पहले इंटरनेशनल मास्टर अक्षत खंपारिया शामिल हुए।

उन्होंने उपस्थित शतरंज प्रेमियों के साथ खेल से जुड़ी रोचक जानकारियाँ साझा कीं और बच्चों को इस खेल को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

महापौर ने कहा कि- यदि किसी चीज का उपयोग नहीं होता, तो वह निष्क्रिय हो जाती है। हमारा मस्तिष्क भी उपयोग न करने पर कमजोर हो सकता है। शतरंज एक ऐसा खेल है जो मस्तिष्क को सक्रिय और तेज बनाए रखता है।

उन्होंने कहा कि मोबाइल से बच्चों को दूर रखने और शारीरिक-मानसिक विकास के लिए इस प्रकार के प्रयास जरूरी हैं।

महापौर ने घोषणा की कि जल्द ही इंदौर में 36 एकड़ क्षेत्र में एक बड़ा बगीचा विकसित किया जाएगा, जिसमें तालाब और अन्य खेल सुविधाएँ भी होंगी।

इसके अलावा, एफटीएस युवा संस्था को प्रेरित करते हुए उन्होंने पाँच और गार्डन विकसित करने की घोषणा की। महापौर ने भविष्य में मेयर चेस स्पर्धा आयोजित करने की भी बात कही।

चेस पार्क की मुख्य विशेषताएँ- 12×12 प्लेटफॉर्म पर विशेष शतरंज चौपाल का निर्माण।

ब्लैक एंड व्हाइट थीम पर आधारित आकर्षक डिजाइन।

दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए रवाना होगी आईआरसीटीसी की भारत गौरव पर्यटक ट्रेन

इंदौर। मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) एक विशेष पहल कर रहा है। भारत गौरव पर्यटक ट्रेन का संचालन करते हुए आईआरसीटीसी 9 जून 2025 को इंदौर शहर से दक्षिण दर्शन यात्रा के लिए ट्रेन रवाना करेगा।

यह ट्रेन इंदौर के अलावा उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, बैतूल और नागपुर स्टेशनों से होकर गुजरेगी, जहां से यात्री इसमें सवार हो सकेंगे। नौ रातें और दस दिनों की इस यात्रा के दौरान श्रद्धालु तिरुपति, रामेश्वरम, मदुरै, कन्याकुमारी और त्रिवेंद्रम जैसे प्रमुख धार्मिक एवं दर्शनीय स्थलों का भ्रमण कर सकेंगे।

यात्रा का शुल्क और सुविधाएँ- प्रति व्यक्ति

स्टैंडर्ड श्रेणी (3AC)- 29,500/- प्रति व्यक्ति

कम्फर्ट श्रेणी (2AC)- 38,500/- प्रति व्यक्ति

यात्रा में भारत गौरव ट्रेन के विशेष एलएचबी रेक द्वारा आरामदायक रेल यात्रा, ऑनबोर्ड और ऑफबोर्ड भोजन, गुणवत्तायुक्त बसों द्वारा स्थलों का भ्रमण, निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा बीमा, ऑनबोर्ड सुरक्षा, हाउसकीपिंग तथा अनुभवी टूर एस्कॉर्ट्स की सेवाएं शामिल हैं।

आईआरसीटीसी इस यात्रा को सर्वसमावेशी पैकेज के रूप में पेश कर रहा है। यात्रियों को अपनी सुविधा के अनुसार तीन श्रेणियों में से विकल्प चुनने का अवसर मिलेगा।

इकॉनमी श्रेणी (स्लीपर क्लास)-18,000/-

बुकिंग और संपर्क विवरण- इच्छुक यात्री इस यात्रा की बुकिंग आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट www.irctctourism.com पर ऑनलाइन कर सकते हैं या अधिकृत एजेंटों के माध्यम से भी टिकट बुक करवा सकते हैं।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

पूर्व थलसेनाध्यक्ष जनरल वी के सिंह ने राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सौहार्द को भारत की असली शक्ति बताते हुए भारत की विविधता में निहित एकता को देश की पहचान का अभिन्न अंग बताया

विक्रम विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सुरक्षा में युवा संगठनों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी सम्पन्न

उज्जैन । विक्रम विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में रविवार को राष्ट्रीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि मिजोरम के महामहिम राज्यपाल, पूर्व थलसेनाध्यक्ष सेवानिवृत्त,पूर्व केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री जनरल विजय कुमार सिंह द्वारा एनसीसी, एनएसएस के कैडेट्स व विद्यार्थियों और गणमान्य नागरिकों को राष्ट्रीय सुरक्षा में युवा संगठनों की भूमिका विषय पर संबोधित किया।

राज्यपाल श्री सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय की आवश्यकता को देखते हुए युवाओ का सजग होना अत्यंत आवश्यक है , सजगता अनुशासन से आती है। उन्होंने कहा कि पूर्व मे अखबार में छपी खबर को ही सच मान लिया जाता था किन्तु वर्तमान में वाट्सऐप पर संचालित चीजों को ही सच मान लिया जाता है।

इसका प्रत्यक्ष उदाहरण देते हुए कहा कि हमनें पहलगाम की ह्रदय विदायक घटना के तुरंत बाद सिंधु जल संधि को रद्द कर दिया। किंतु सोशल मीडिया पर कई जगह नदियों के जल के प्रवाहित होने के फेक विडियो प्रसारित किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के युग में किसी से कुछ भी करवाया जा सकता है। इससे बचाव एवं सजगता में युवाओ की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए सजगता बहुत जरूरी है।

उन्होने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सीमाओं की सुरक्षा नहीं अपितु आंतरिक सुरक्षा भी है। हमारी विदेश नीति का उदाहरण देते हुए आपने कहा कि 2014 से पूर्व मंत्री स्तर का डेलिगेशन विदेश नही जाता था। किंतु डेढ़ साल में ही 192 देशों मे भारत का डेलिगेशन गया जिसका परिणाम यह हुआ कि जब इंटरनेशनल कोर्ट के निर्वाचन के समय हमने तय किया की हम भी हमारा प्रत्याशी चुनाव में उतारेंगे। तब ब्रिटेन जो कि स्थाई सदस्य था के प्रत्याशी को वोट न देकर हमारे जस्टिस भंडारी को जिताया। यह हमारी विदेश नीति का प्रत्यक्ष उदाहरण है।

उन्होंने कहा कि कोविड का समय हो या रूस-युक्रेन युध्द के समय हो हम हमारे छात्रों को वापस अपने वतन ला पाए। यह हमारी विदेश नीति ही थी जो युध्द को रोककर भी हमारे नागरिको को निकालकर लाने में सफल रहे। हमारा कोई दुश्मन नहीं चाहे रूस,युक्रेन हो या फिलिस्तीन, इजराइल हो सभी से हमारे अच्छे संबंध है।

सौंदर्य वस्तु में नहीं, दृष्टा में होता है- आचार्य बालकृष्ण शर्मा

उज्जैन। रचनाधर्मिता के प्रत्येक क्षेत्र में देवेन्द्रजी ने लेखन किया है किन्तु यात्रा वर्णन विधा विरल है। यात्रा वर्णन की शैली, कला से संपन्न होकर ही रचनाकार आकर्षण उत्पन्न करता है जिससे यात्रा वृतान्त रोचक हो जाता है। सौन्दर्य वस्तु में नहीं है बल्कि सौन्दर्य दृष्टा में होता है और देवेन्द्र जी के पास वह दृष्टि थी जो ऐसे यात्रा वृतांत को साहित्यिक बना देती है।

ये विचार विक्रम विवि के पूर्व कुलपति आचार्य बालकृष्ण शर्मा ने मध्यप्रदेश लेखक संघ के तत्वावधान में प्रेस क्लब में आयोजित, प्रख्यात पत्रकार और साहित्यकार डॉ. देवेन्द्र जोशी की पुस्तक 'जिन्दगी लाइव' के लोकार्पण प्रसंग में सारस्वत अतिथि के रूप में व्यक्त किये। मुख्य अतिथि इग्नो के पूर्व कुलपति प्रो. नागेश्वर राव ने कहा कि यह पुस्तक पर्यटन विषय के छात्रों के लिए बहुत उपयोगी है और नए लेखकों को एक नया रास्ता दिखाती है और पुस्तक का प्रसार वैश्विक पटल पर होना चाहिए। विशेष अतिथि मालवी साहित्यकार प्रो. शिव चौरसिया ने कहा कि हिन्दी साहित्य में यात्रा वृतांत लिखने का सूत्रपात भारतेंदु से माना जाता है और यात्रा वृतान्त आधुनिक गद्य विधा के रूप में स्वीकृत है और देवेन्द्र जी की यह पुस्तक भी यात्रा वृतांत की शैली को आगे बढाती है। प्रमुख वक्ता विक्रम विविवि के कुलानुशासक डॉ. शैलेन्द्रकुमार शर्मा ने कहा कि देवेन्द्र जी की यह पुस्तक तीर्थाटन संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती है और इस पुस्तक को पढ़ते हुए भारत की सांस्कृतिक चेतना से गुजरना है। पुस्तक का यात्रा वृतांत वैयक्तिकता, आत्मिकता, रोचकता और कल्पनाशीलता से परिपूर्ण है।

वेदों में विधर्मी राष्ट्र के शत्रुओं को कुचलने का संदेश- पं व्यास

उज्जैन। वेदों में राष्ट्र के शत्रुओं विधर्मियों को मर्दन करने कुचलने समूल नष्ट करने का आदेश दिया। हम पहले राष्ट्र की रक्षा करें, फिर धर्म की। राष्ट्र होगा तब हमारा धर्म पालन कर सकेंगे। वैदिक राष्ट्रीय प्रार्थना की व्याख्या करते हुए पंडित राजेंद्र व्यास ने कहा ईश्वर की ओर से देश के शत्रुओं, आततायियों, आतंकियों को प्राण दंड देने का विधान वेदों में है। सत्यार्थ प्रकाश की व्याख्या करते हुए आचार्य जीवन प्रकाश आर्य ने कहा आर्य समाज सदैव राष्ट्र की रक्षा में अग्रणी रहा है। हैदराबाद सत्याग्रह हो या आजादी का आंदोलन परंतु आज देश में आतंक का जवाब हमें शास्त्र के साथ शस्त्र उठा कर देना होगा। साप्ताहिक सत्संग में जम्मू कश्मीर के पहलगाम में विगत दिन में हुई आतंकवादी घटना में दिवंगत जनों को शांति यज्ञ में विशेष वेद मंत्रों से आहूति देकर आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई।

नृत्य गुरु पंडित राजेंद्र गंगानी की दो दिवसीय कथक कार्यशाला 30 अप्रैल से

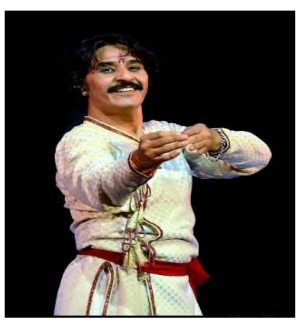

उज्जैन। विख्यात नृत्य गुरु पंडित राजेंद्र गंगानी की कथक कार्यशाला का आयोजन प्रतिभा संगीत कला संस्थान के द्वारा कालिदास संस्कृत अकादमी के अभिरंगनाट्य गृह में 30 अप्रैल एवं 1 मई को किया जाएगा।

विख्यात कत्थक नर्तक एवं नृत्य गुरु राजेंद्र गंगानी ने विगत दिनों मध्य प्रदेश के खजुराहो में 1484 कथक नृत्य साधकों के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाकर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में नाम दर्ज करवाया था। यह सौभाग्य का विषय है कि वह अब उज्जैन में दो दिवसीय सघन कत्थक प्रशिक्षण की कार्यशाला करने के लिए प्रतिभा संगीत कला संस्थान के सौजन्य से पधार रहे हैं। संस्थान की निदेशक इंजीनियर प्रतिभा रघुवंशी एलची ने बताया कि जो कत्थक सीखने के इच्छुक हैं वह संस्थान में संपर्क करके इसमें सम्मिलित हो सकते हैं तथा उच्च प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं।

साइकिल यात्रा निकाल कर दिया जल संरक्षण का संदेश

सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल और विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन का संयुक्त का आयोजन

उज्जैन। सोसाइटी ऑफ ग्लोबल साइकिल द्वारा विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के साथ संयुक्त रूप से रविवार सुबह जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर स्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन वन तक साइकिल यात्रा निकाली गई।

जिसमें विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज भी शामिल हुए। इस दौरान साइकिल यात्रा में शामिल साइकिल एवं पर्यावरण प्रेमियों ने जल संरक्षण का संदेश दिया। सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के सदस्य तुषार पिल्लेवार ने बताया कि मध्य प्रदेश शासन द्वारा 30 मार्च से 30 जून तक प्रदेशभर में 90 दिवसीय जल गंगा संवर्धन महाअभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत सोसाइटी ऑफ ग्लोबल साइकिल और विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा रविवार सुबह साइकिल यात्रा का आयोजन किया गया। जिसमें विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर अर्पण भारद्वाज, सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के अध्यक्ष उत्कर्ष सिंह सेंगर, जाल विद्यालय के खेल अधिकारी अनिल निकम, पीटीआई मोतीलाल डांगरे और प्रवीण सिंह गौतम, वृक्ष मित्र समिति प्रमुख अजय भातखंडे, ग्रीन मैन सम्राट, संस्था सोसायटी ऑफ ग्लोबल साइकिल के सदस्य मयंक तिवारी, यश प्रजापति, दीपक गोराना सहित शहर के साइकिल एवं पर्यावरण प्रेमी शामिल हुए और साइकिल चलाकर जल संरक्षण का संदेश दिया। रविवार सुबह 7 बजे चामुंडा माता चौराहा से साइकिल यात्रा का शुभारंभ किया गया था, जिसका समापन विश्वविद्यालय परिसर में स्थित इंडियन मेडिकल एसोसिएशन वन में हुआ। यहाँ सभी साइकिल यात्रियों ने श्रमदान कर वन में बने कूप की साफ़ सफाई कर जल संवर्धन का संदेश दिया।

जन- जन के जीवन से जुड़ा है अभियान- कुलगुरु

जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत आयोजित साइकिल यात्रा के समापन अवसर पर विक्रम विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर ने कहा कि यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। इसलिए प्रत्येक नागरिक को जल गंगा संवर्धन अभियान में भाग लेकर तालाब, कुओं और बावड़ियों के संवर्धन के लिए आगे आना चाहिए और नदियों को साफ-स्वच्छ एवं जल एकत्रित करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इस दौरान उन्होंने सभी साइकिल यात्रियों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई।

भीषण गर्मी में राहगीरों की प्यास बुझाएगी समन्वय की 'प्याऊ'

उज्जैन। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भीषण गर्मी में राहगीरों एवं आमजनो को निःशुल्क जल सेवा करने के उद्देश्य से जैन सोशल ग्रुप ÷समन्वय÷ उज्जैन द्वारा फ्रीगंज, इंदिरा गांधी चौराहा पर निशुल्क जल सेवा हेतु प्याऊ का शुभारंभ जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन के डायरेक्टर एवं समन्वय संस्थापक अध्यक्ष जयंतीलाल फाफरिया, पूर्व अध्यक्ष शैलेन्द्र बापना और महापौर मुकेश टटवाल द्वारा किया गया।

इस अवसर महापौर ने ग्रुप सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि जल का संरक्षण और सही उपयोग करना हम सभी का कर्तव्य है। पानी को व्यर्थ न बहायें। भीषण गर्मी में यही जल लोगों की प्यास बुझाता है। समाजसेवियों को गर्मी के मौसम में जगह-जगह निशुल्क प्याऊ लगाना चाहिए, जिससे आमजन प्यास लगने पर आसानी से निशुल्क पानी पी सके। संस्था अध्यक्ष नगीन नलवाया ने बताया कि यह निःशुल्क प्याऊ पूरी गर्मी तक लगा रहेगा। संस्था समय समय पर कई तरह सेवा कार्य के प्रति संकल्पित हैं उसी क्रम में विगत तीन वर्षों से प्रियदर्शिनी चौराहा पर पानी प्याऊ लगाई जा रही हैं, जिसकी पूरी जिम्मेदारी समन्वय ग्रुप ने ली है। सचिव आशीष नांदेचा ने बताया कि महापौर ने भी इस कार्य की सराहना की है और अपनी और से वाटर कूलर लगाने का आश्वासन दिया और रख रखाव की जिम्मेवारी जेएसजी समन्वय को देने की बात कही। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष सतीश जैन, महेंद्र मारू, सुगनचंद जैन, पारस जैन, नरेंद्र संचेती, संजय चहेती, संदीप जैन, विनोद जैन, संजय बीमा, राजेंद्र गोखरू, अशोक बम, मनोज दलाल, मनीष सोनगरा, राजकुमार कोचेटा आदि संस्था सदस्य मौजूद थे।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com